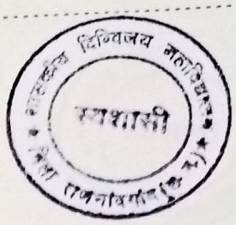

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
स्वशासी
जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी रचना और व्यवहार)

PHMCT-405 **पूर्णांक** 8020=100

पाठ्य–विषय :

1. **हिंदी कहावतें :** परिभाषा, प्रकृति और व्यवहार, हिंदी की प्रचलित कहावतें एवं उनका प्रयोग। उल्लेखित कुल 25 कहावतें।
2. **हिंदी मुहावरे :** परिभाषा एवं प्रकार। शरीरांगों (सिर, गर्दन, आंख, कान, नाक, मुंह, दांत, छाती, पेट और पांव) पर आधारित मुहावरे।
3. **छत्तीसगढ़ी पहेलियां** : अर्थ और स्वरूप, कहावत और पहेली में अंतर, (उल्लेखित छत्तीसगढ़ी की 25 पहेलियों का प्रयोग।)
4. **व्यावहारिक लेखन** : उद्घोषणा–अर्थ एवं व्यवहार, हिंदी और छत्तीसगढ़ी में आकाशवाणी और रेलवे उद्घोषणा लेखन।
5. लघु उत्तरीय प्रश्न : (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)
6. **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न** : (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)

अंक विभाजन

खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंकों के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना– डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन–पटना–4
2. छत्तीसगढ़ी कहावतें मुहावरे एवं पहेलियां– संपादक थानसिंह वर्मा एवं डॉ. शंकर मुनि राय, प्रकाशकः शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

नाम और हस्ताक्षर : सदस्य पाठ्यक्रम समिति

1. डॉ. राजन यादव
2. डॉ. रघुवीर शर्मा
3. डॉ. थानसिंह वर्मा
4. डॉ. शंकरमुनि राय

Dubey

एम.ए. पूर्व–हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी रचना और व्यवहार)

निर्धारित हिंदी कहावतें

हिंदी कहावतें :

1. अपनी डुली अपना राग :
2. अकेला चना फाड़ नहीं फोड़ता :
3. अंधों में काना राजा :
4. अधजल गगरी छलकत जाय :
5. आम का आम गुठलियों के दाम :
6. उंट के मुंह में जीरा :
7. एक पंथ दो काज :
8. कहां राजा भोज और कहां गंगू तेली :
9. काला अच्छर भैंस बराबर :
10. का बरखा जब कृषि सुखाने :
11. खोदा पहाड़ निकली चुहिया :
12. गांव का जोगी जोगड़ा, आन गांव का सिद्ध :
13. चोर की दाड़ी में तिनका :
14. चोर–चोर मौसेरे भाई :
15. छोटा मुंह बड़ी बात :
16. जब तक सांस, तब तक आस :
17. जिसकी लाठी उसकी भैंस :
18. जैसा देश वैसा भेश :
19. डूबते को तिनके का सहारा :
20. दस की लाठी एक का बोझ :
21. देशी मुर्गी बिलायती बोली :
22. नाच न जाने आंगन टेढ़ा :
23. नौ नगद न तेरह उधार :
24. मुंह मे राम बगल में छूरी :
25. हाथ कंगन को आरसी क्या :

---

1. डॉ. राजन यादव .... 2. डॉ. सुधीर शर्मा ....

3. प्रो. मानसिंह वर्मा .... 4. डॉ. शंकरमुनि राय ....

Dubey

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी
(हिंदी रचना और व्यवहार)
निर्धारित छत्तीसगढ़ी पहेलियां

छत्तीसगढ़ी पहेलियां :

1. अताल ओखर मां–बाप पताल ओखर थाना, एक फूल फूले न डारा न पाना –**मशरूम**
2. अहो हरि, अहो हरि फूल ला छोड़ के कनिहा में फरी–**भुट्टा**
3. हमर देस मा अइसा हुआ, आधा बगुला आधा सुवा–**मूली**
4. आजकाल्हु नार फटके, सावन–भादो मुरझा–**दररा/ दरार**
5. आजू–बाजू गोल–गोल, पीछू हा चकरट्ठा–**बैलगाड़ी**
6. आय लुलु, बाय लुलु, पानी ला डराय लुलु–**जूता**
7. ईंटा–पथरा के घर उठाये, बिलवा बइला के मन नइ आये–**चूहा**
8. ए पार पचरी, ओ पार पचरी, बीच मा मोंगरी मछरी–**जीभ**
9. एक ठन कुरिया मा बघवा नरियाय–**जांता**
10. एक ठन चिंआ घर–भर लहू–**चिमनी**
11. एक ठन थारी में दो अंडा, एक गरम एक ठंड़ा–**सूरज–चांद**
12. एक महतारी के साठ लइका, कोनो मरे कोना जीये–**माचिस**
13. एक निसेनी के बारा पकती, नी जाने सेकर सास नकटी–**छाता**
14. एक लारी चार डराभर , एक सवारी, बाकी सब कंडेक्टर– **शवयात्रा**
15. एक नार के दू लइका, दूनों के एके रंग। एक खड़े एक फिरे, फेर दुनो एके संग–**जांता**
16. एक कटोरी मां बारा रसगुल्ला, अउ ओमे तीन चम्मच–**घड़ी**
17. एक पेड़ झंझाकर, ओमे घी, गुड़ अउ गांकर–**महुआ पेड़**
18. ओमनाथ बखरी में सोमनाथ कांटा, एक फूल फूले पचास ठन बांटा–**केला**
19. कुकुर गेहे इलाहाबाद, कुकुर के पूंछी हमरे पास–**कुंआ की बाल्टी**
20. कोरबा तोर मइके, नांदगांव ससुराल, गली–गली तोर मनसरवा, घर–घर तोर लइका–**बिजली**
21. खार भर चरे, एको लेंड़ी न हगे–**हंसिया**
22. खाय के बेर सफेद, निकाले के बेर करिया–**सीताफल**
23. घना जंगल में लाल पानी पीये–**जूं**
24. घाम मं जन्मे, छांव परत मुरझाय–**पसीना**
25. चार चिरई के चार रंग, महल में जाके एके रंग–**पान**

1. डॉ. राजन यादव 2. डॉ. सुधीर शर्मा

3. प्रो. थानसिंह वर्मा 4. डॉ. शंकरमुनि राय

PHMET-406

चतुर्थ /वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(साहित्यकार एवं उनकी रचनागत विशेषताएं)

~~PHMET-405~~ पूर्णांक 8020=100

पाठ्य–विषय : यह प्रश्नपत्र ऐच्छिक है। प्रदेश के बाहर से आनेवाले विद्यार्थियों की रूचि का ध्यान रखते हुए चतुर्थ प्रश्नपत्र 'छत्तीसगढ़ी' के स्थान पर इस प्रश्नपत्र का विकल्प रखा गया है।

निम्नलिखित चार में से किसी एक का विस्तृत अध्ययन–अध्यापन आवश्यक होगा–

क. कबीरदास :

पाठ्य विषय–साखी, सबद रमैनी

1. कबीर का जीवन परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएं
2. कबीर का रहस्यवाद एवं उलटबांसियां
3. व्याख्या– कबीर ग्रंथावली से निर्धारित साखियां और पद

अंक विभाजन

1- खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न 3x4=12
2- खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न 5x4=20
3- खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न 12x4=48

ख. सूरदास :

पाठ्य विषय–भ्रमरगीत, सूरसागर

1. सूरदास का जीवन परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएं
2. सूरदास का भ्रमरगीत प्रसंग
3. सूरदास साहित्य में बाल वर्णन
4. व्याख्या– भ्रमरगीत और सूरसागर के निर्धारित पद

अंक विभाजन

1- खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न 3x4=12
2- खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रन 5x4=20
3- खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न 12x4=48

ग. तुलसीदास :

पाठ्य विषय–श्रीरामचरित मानस, विनय पत्रिका, कवितावली

1. तुलसी का जीवन परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएं

2. तुलसी की सगुन एवं निर्गुन भक्ति
3. तुलसी का समन्वय दर्शन
4. व्याख्या–श्रीरामचरित मानस, विनयपत्रिका और कवितावली

अंक विभाजन

1. खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न 3ग4त्र12
2. खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न 5ग4त्र20
3. खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न 12ग4त्र48
4. **सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :**

घ. हिंदी उपन्यासकार (मुंशी प्रेमचंद):

पाठ्य विषय– गबन, गोदान, निर्मला, सेवासदन

1. प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय
2. हिंदी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद का योगदान
3. प्रेमचंद की उपन्यास कला
4. व्याख्या– गबन, गोदान और सेवा सदन

अंक विभाजन

1- खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न 3x4=12
2- खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न 5x4=20
3- खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न 12x4=48
4. **सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :**

नाम और हस्ताक्षर : सदस्य पाठ्यक्रम समिति

1. डॉ. राजन यादव
2. डॉ. सुधीर शर्मा
3. प्रो. धानसिंह वर्मा
4. डॉ. शंकरमुनि राय